SC

SEAT No.________

No. of printed page : 1

[544 A-11]

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A (III Semester) EXAMINATION
WEDNESDAY, 01-11-2017
02:00 P.M. TO 05:00 P.M.
PA03CHIN01 : HINDI Paper-1
भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

Total Marks:70

प्रश्न-1 'रस' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके अंगों की चर्चा कीजिए। (18)

अथवा

प्रश्न-1 'ध्वनि' की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके भेदों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। (18)

प्रश्न-2 'वक्रोक्ति' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके भेदोपभेदों पर प्रकाश डालिए। (17)

अथवा

प्रश्न-2 'अलंकार' की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिए। (17)

प्रश्न-3 पं.हज़ारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि पर विचार कीजिए। (17)

अथवा

प्रश्न-3 हिंदी काव्यशास्त्रीय चिंतन की परम्परा पर प्रकाश डालिए। (17)

प्रश्न-4 टिप्पणी लिखिए। (18)

(क) रस का स्वरूप।

अथवा

(क) साधारणीकरण।

(ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

अथवा

(ख) सर्वांग निरूपक काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ।

*****

SEAT No.________

[474 A-20]

No. of Printed Pages : 01

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. (III Semester) Examination

Friday, 3 November - 2017

02:00 P.M. To 05:00 P.M.

PA03CHIN02 - Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल के पूर्व)

Total Marks: 70

प्र. 1 हिन्दी साहित्य के 'इतिहास लेखन' की परंपरा पर विचार कीजिए। (17)

अथवा

प्र. 1 'आदिकाल' की परिस्थितियाँ स्पष्ट कीजिए।

प्र. 2 'ज्ञानमार्गी संत काव्य' की प्रवृतियों पर स-तर्क समझाइए। (18)

अथवा

प्र. 2 'सगुणमार्गी कृष्णभक्ति शाखा' की विषेशताएँ बताइए।

प्र. 3 'रामभक्ति' शाखा की काव्य प्रवृतियों पर अपने विचार व्यक्त करें। (17)

अथवा

प्र. 3 'रीतिमुक्त' काव्यधारा का परिचय देते हुए 'घनानंद' के योगदान की चर्चा कीजिए।

प्र. 4 (किन्हीं दो पर) टिप्पणी लिखिए। (18)

1. कृष्ण भक्त कवि सूरदास ।
2. जैन साहित्य ।
3. अमीर खुसरो ।
4. पृथ्वीराज रासो का काव्य वैभव ।

—X—

SC

((132) & (A-53)) SEAT No.________ No. of Printed Pages 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (HINDI)(3rd SEMESTER)EXAMINATION
TUESDAY 7Th NOVEMBER
2017
02:00 PM TO 05:00 PM
PA03CHIN03

छायावादी काव्य

कुल गुण:70

प्र. 1 रूपक तत्व के आधार पर 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए। (17)

अथवा

प्र. 1 "सरोज स्मृति हिन्दी का सफल और प्रथम शोकगीत है"– इस कथन की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

प्र. 2 "सुमित्रानन्दन पन्त प्रकृति के सुकुमार कवि हैं "– इस कथन की सोदाहरण चर्चा कीजिए। (17)

अथवा

प्र. 2 पठित प्रगीत के आधार पर महादेवी वर्मा की काव्य-संवेदना को सोदाहरण समझाइए।

प्र. 3 टिप्पणी लिखें (किन्हीं दो)। (18)

1. 'कामायनी' का आमुख
2. 'कुकुरमुत्ता' का व्यंग्य
3. 'नौका विहार' का दर्शन
4. महादेवी वर्मा का अभिव्यक्ति पक्ष

प्र. 4 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (18)

1. अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कम्प हो ले!
   या प्रलय के आँसुओं में मौन अलसित व्योम रो ले;
   आज पी आलोक को ड़ोले तिमिर की घोर छाया
   जाग या विद्युत शिखाओं में निठुर तूफान बोले!
   पर तुझे है नाश पथ पर चिन्ह अपने छोड़ आना!
   जाग तुझको दूर जाना!

अथवा

1. तुम नृशंस से जगती पर चढ़ अनियंत्रित,
   करते हो संसृति को उत्पीड़न,पदमर्दित-,
   नग्न नगर कर,भग्न भवन, प्रतिमाएं खंडित
   हर लेते हो विभव, कला, कौशल चिर!संचित-

(P.T.O.)

2. अब, सुन बे, गुलाब,

भूल मत जो पायी खुशबु, रंगआब-ओ-,

खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,

डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट!

कितनों को तूने बनाया है गुलाम,

....

शाहों, राजों, अमीरों का रहा प्यारा

तभी साधारणों से तू रहा न्यारा।

अथवा

3. ओ चिंता की पहली रेखा, अरी विश्ववन की व्याली,

ज्वालामुखी स्फोट के भीषण, प्रथम कम्प सी मतवाली।

हे अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खलखेला !

हरी-भरी सी दौड़-धूप, ओ जलमाया की चल रेखा।

⊛⊛⊛⊛⊛

—x—

(2)

(157 & A-60) SEAT No.________ **No. of Printed Pages : 1**

Sardar Patel University

M. A. HINDI(Semester - III) Examination November 2017

Thursday, 9th November 2017

02.00 p.m. to 5.00 p.m.

PA03EHIN01: प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी

गुण-७०

प्र-१ प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता बताते हुए उसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए। १७

अथवा

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति समजाते हुए उसके प्रमुख प्रकार्यों की चर्चा कीजिए।

प्र-२ पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा देकर उसके स्वरुप को स्पष्ट कीजिए। १८

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्र-३ पत्रकारिता के इतिहास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। १७

अथवा

सम्पादन-कला की विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्र-४ संक्षेप में लिखिए : १८

क कम्प्यूटर की उपयोगिता *अथवा* कम्प्यूटर के भागों का परिचय।

ख समाचार लेखन कला *अथवा* प्रेस कानून।

— x —

Sc

[152/A-56] Seat No. __________ No. of printed page: 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (III Semester) Examination
Saturday, 11th November 2017
2.00 pm – 5.00 pm
PA03EHIN03 - HINDI
मीडिया लेखन और अनुवाद

Total Marks : 70

प्र.१ जनसंचार का अर्थ, चुनौतियाँ एवं स्वरूप की चर्चा कीजिए। (१७)

अथवा

प्र.१ समाचार लेखन एवं वांचन विषयक विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्र.२ साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण की विधि पर प्रकाश डालिए। (१८)

अथवा

प्र.२ विज्ञापन की भाषा की प्रकृति को समझाइए।

प्र.३ अनुवाद की प्रविधि एवं प्रक्रिया की चर्चा कीजिए। (१७)

अथवा

प्र.३ अनुवाद की विविध परिभाषाएँ देते हुए उनके स्वरूप की चर्चा कीजिए।

प्र.४ **किन्ही दो** पर टिप्पणी लिखिए – (१८)

(१) टेलीड्रामा लेखन।
(२) पटकथा लेखन।
(३) विज्ञापन में अनुवाद।
(४) सारानुवाद।

C86 & A-3D SEAT No.________ SC

No. of Printed Pages : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. III[rd] Semester (Hindi) EXAMINATION

Tuesday,14th November -2017

02-00 p.m.to 5-00 p.m.

PA03SHIN03

साहित्य विधा स्वरूप और पुस्तक समीक्षा

पूर्णांक : 70

प्रश्न-1. महाकाव्य की परिभाषा देते हुए उसके लक्षणों की चर्चा कीजिए।

अथवा (17)

नुक्कड नाटक के स्वरूप के चर्चा करते हुए नुक्कड नाटक की विशेषताएं बताइए।

प्रश्न-2. आत्मकथा के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा (17)

आँचलिक उपन्यासों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-3. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास में निरुपित आदिवासी समाज की समस्याओं की चर्चा करें।

अथवा (18)

'नये इलाके में' काव्य संग्रह की मूल संवेदना को उजागर कीजिए।

प्रश्न-4. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए- (18)

क. कहानी की विशेषताएँ

अथवा

जीवनी का स्वरूप

ख. 'ग्लोबल गाँव के देवता' का लालचन

अथवा

अरुण कमल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

— x —